102 302(ZK)

2020

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'क्या भूलू क्या याद करूँ' आत्मकथा है

i) सुमित्रानंदन पंत की

ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की

iii) हरिवंशराय 'बच्चन' की

iv) 'अज्ञेय' की । 1

Scanned with CamScanner

ख) 'विषस्य विषमौषधम्' की गद्य विधा है

i) कहानी ii) नाटक

iii) उपन्यास iv) निबन्ध । 1

ग) 'अरे यायावर रहेगा याद' के लेखक हैं

i) यशपाल

ii) मुक्तिबोध

iii) 'अज्ञेय'

iv) नगेन्द्र । 1

घ) निम्न में से हजारीप्रसाद द्विवेदी का निबन्ध-संग्रह है

i) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका'

ii) 'आलोक पर्व'

iii) 'साहित्य-सहचर'

iv) 'साहित्य का मर्म' । 1

ङ) निम्न में से 'डायरी विधा' के लेखक हैं

i) सरदार पूर्णसिंह

ii) सदल मिश्र

iii) शमशेर बहादुर सिंह

iv) राहुल सांकृ 1

Scanned with CamScanner

2. क) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है

i) 'रामचरितमानस'

ii) 'पद्मावत'

iii) 'पृथ्वीराज रासो'

iv) 'रामचन्द्रिका' । 1

ख) छायावाद की विशेषता है

i) इतिवृत्तात्मकता

ii) शृंगारिक भावना

iii) सौन्दर्य और प्रेम

iv) उदेशात्मक वृत्ति । 1

ग) रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचना है

i) 'पृथ्वी पुत्र'

ii) 'परशुराम की प्रतीक्षा'

iii) 'ऐसा कोई घर आपने देखा है'

iv) 'स्वर्ण किरण' । 1

Scanned with CamScanner

घ) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है

i) सन् 1951 ई०

ii) सन् 1978 ई०

iii) सन् 1987 ई०

iv) सन् 1959 ई०। 1

ङ) 'कामायनी' में सर्गों की संख्या है

i) बारह ii) पन्द्रह

iii) चौदह iv) सत्रह । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

निन्दा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है । मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहं को इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है । ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है । कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और उनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है । इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है क्योंकि वह निठल्ला है । स्वर्ग में

Scanned with CamScanner

देवताओं को बिना उगाया अन्न वे बनाया महल और बिन बोये फल मिलते हैं ।

i) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ii) निन्दा का उद्‌गम कहाँ से होता है ?

iii) ईर्ष्या-द्वेष और निन्दा को मारने के लिये क्या आवश्यक है ?

iv) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

v) स्वर्ग में देवताओं को बिना श्रम क्या प्राप्त हो जाता है ?

अथवा

बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है । संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है । संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है । राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है । यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जायँ, तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए । जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है । संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अन्तर्निहित है ।

i) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ii) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

iii) राष्ट्र की वृद्धि कैसे सम्भव है ?

iv) किसी राष्ट्र का लोप कब हो जाता है ?

v) भूमि और जन के अतिरिक्त राष्ट्र में और क्या महत्वपूर्ण है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा
युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी' ।
निज जन्म-जन्म में सुने जीव यह मेरा
"धिक्कार ! उसे था महास्वार्थ ने घेरा" ।

i) प्रस्तुत पद्यांश में किन-किन पात्रों के बीच संवाद हो रहा है ?

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

VERTEXAL

Scanned with CamScanner

iii) पाठ के शीर्षक एवं रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए ।

iv) दृढ़ हृदय और मृदुल गात्र शब्द से किसकी ओर संकेत है ?

v) किस पात्र को महास्वार्थ ने घेर लिया था ?

अथवा

'कौन हो तुम वसंत के दूत
विरस पतझड़ में अति सुकुमार
घन तिमिर में चपला की रेख
तपन में शीतल मंद बयार

लगा कहने आगन्तुक व्यक्ति
मिटाता उत्कंठा सविशेष
दे रहा हो कोकिल सानन्द
सुमन को ज्यों मधुमय सन्देश ।

i) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) आगन्तुक व्यक्ति से किसकी ओर संकेत किया गया है ?

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) पद्यांश में किस पात्र की उत्कंठा मिटाने की बात कही गई है ?

v) पद्यांश में किन पात्रों के बीच संवाद हो रहा है ?

Scanned with CamScanner

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) जयशंकर प्रसाद ।

6. 'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । 5

अथवा

'फ्लैशलाइट' अथवा 'ध्रुवतारा' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

Scanned with CamScanner

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गान्धीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के कथानक का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Scanned with CamScanner

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'संदेश' सर्ग का सारांश लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते । संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते ।

अथवा

Scanned with CamScanner

याज्ञवल्क्य उवाच — न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः । कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यद् भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ।।

अथवा

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च
सम्पत्तौ विपत्तौ च महतामेकरूपता ।।
जलबिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

Scanned with CamScanner

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) उल्टी गंगा बहाना ।

(ii) पानी-पानी होना ।

(iii) मक्खन लगाना ।

(iv) कलई खुलना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'सच्चित्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) स + च्चित्

(ब) सच् + चित्

(स) सत् + चित्

(द) सच्च + इत् । 1

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) इत् + यादि

(ब) इत्य + आदि

(स) इति + आदि

(द) इत् + यादि । 1

(iii) 'प्रेजते' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) प्रे + जते

(ब) प्र + इजते

(स) प्र + एजते

(द) प्रे + चेते । 1

Scanned with CamScanner

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों को 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए :

(i) 'सरिति' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन । 1

(ii) 'रज्जि' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(द) पंचमी विभक्ति, एकवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन कर लिखिए :

(i) श्रवण-श्रमण –

(अ) सावन – भ्रमण

(ब) सुनना – संन्यासी

(स) वेद – पुजारी

(द) नाक – संन्यासी । 1

VERTEXAL

Scanned with CamScanner

(ii) द्रव-द्रव्य —

(अ) उपद्रव – गीला

(ब) तरल पदार्थ – धन

(स) करुणा – खजाना

(द) द्राक्षा – कुश । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अक्षत

(ii) दल

(iii) नग ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसे कहा न जा सके —

(अ) अनुपम

(ब) कथनीय

(स) अकथनीय

(द) अद्वितीय । 1

(ii) जो कभी जन्म नहीं ले —

(अ) आजन्म

(ब) अजन्मा

(स) अमर

(द) अनुत्पन्न । 1

Scanned with CamScanner

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) में सकुशलपूर्वक हूँ ।

(ii) पाँच रेलवे के कर्मचारी पकड़े गये ।

(iii) सरकारी मिट्टी के तेल की दुकान बंद है ।

(iv) उसका प्राण निकलने वाला है ।

12. (क) 'शृंगार' रस **अथवा** 'वीर' रस का स्थायी भाव लिखकर उसकी परिभाषा **अथवा** उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'उत्प्रेक्षा' अलंकार **अथवा** 'यमक' अलंकार का लक्षण सोदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए किसी दैनिक पत्र के सम्पादक को एक पत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

किसी विद्यालय के प्रबन्धक को प्रवक्ता पद पर अपनी नियुक्ति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

Scanned with CamScanner

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) वर्तमान में कृषकों की समस्याएँ एवं उनका समाधान

(ii) मेरा प्रिय लेखक

(iii) वनों की उपयोगिता

(iv) प्रदूषण की समस्या एवं समाधान

(v) बढ़ती जनसंख्या तथा रोजगार की समस्या ।

VERTEXAL

Scanned with CamScanner